www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 290 | जौनपुर गुरुवार, 11 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मानसिक संतुलन खो चुके हैं तेजस्वी यादव : प्रमोद कुमार चंद्रवंशी

पटना, (एजेंसी)। बिहार सरकार के खनन एवं भू–तत्व मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को श्सस्ता मंत्रीश कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं और उन्हें पहले अपनी पार्टी को संभालने की चिंता करनी चाहिए।बिहार सरकार के मंत्री ने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने राजनीतिक भविष्य और पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की पार्टी के लोग कानून व्यवस्था का सम्मान नहीं करते और जिस तरह का व्यवहार शीर्ष नेतृत्व करता है, उसी का अनुसरण कार्यकर्ता भी करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी के नेता पुलिस के साथ टकराव का रास्ता अपनाएंगे तो कार्यकर्ता भी गांव–गांव में उसी तरह का व्यवहार करेंगे। प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि पुलिस और गरीब लोगों पर हमला करना उनकी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गया है और यही कारण है कि उनकी राजनीतिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल की राजनीति और तृणमूल कांग्रेस में असंतोष को लेकर भी उन्होंने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कई नेता और सांसद पार्टी से दूरी बना रहे हैं, जो विपक्षी दलों की आंतरिक स्थिति को दर्शाता है।प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि जब दुनिया पर्यावरण असंतुलन, आर्थिक चुनौतियों या अन्य वैश्विक समस्याओं का सामना करती है,।

बनर्जी की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने विधायकों के हस्ताक्षर मेल न खाने के मामले में सीआईडी के समन को चुनौती दी है। पिछले हफ्ते, पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे बनर्जी ने जस्टिस चौताली चटर्जी दास की सिंगल–जज वेकेशन बेंच का रुख किया। उन्होंने सीआईडी के समन को चुनौती दी और इस मामले में गिरफ्तारी समेत पुलिस की सख्त कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की।उन्होंने मामले की तेजी से सुनवाई (फास्ट–ट्रैक हियरिंग) की भी अपील की। घ्ह्यालांकि, वेकेशन बेंच ने इस अपील को खारिज कर दिया और मामले की पहली सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख तय की। बुधवार को हुई सुनवाई से पहले, मंगलवार को दक्षिण कोलकाता के कालीघाट में ममता बनर्जी के घर के पास तृणमूल पार्टी के एक दफ्तर और मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट में एक और दफ्तर, जहां से अभिषेक बनर्जी काम करते थे, पर एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए गए थे। सिलसिले में सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए तीन नोटिस भेजे थे।

जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश साझा करते हुए जनसेवा, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा को जनविश्वास की आधारशिला बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, "जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है। विनम्रता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निरंतर कार्य

करने वाला व्यक्ति ही जनविश्वास अर्जित करता है।" उनका यह संदेश उस दिन सामने आया, जब उन्होंने देश में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पीएम मोदी ने अपने संदेश के साथ एक 'संस्कृति सुभाषितम्' भी साझा किया। इसके माध्यम से उन्होंने जनप्रतिनिधियों के लिए सेवा, सुशासन और जनकल्याण के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए सुभाषित का अर्थ है कि जो जनप्रतिनिधि सेवा को अपना धर्म मानकर निरंतर जनहित में कार्य करता है, सुशासन के माध्यम से जनता की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करता है तथा विनम्रता और संयम के साथ समाज की उन्नति के लिए समर्पित रहता है, वही वास्तविक रूप से जनविश्वास, यश और समृद्धि प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने 4,399 दिनों तक प्रधानमंत्री पद पर रहकर देश में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड बनाया है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने पीएम मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में बुधवार को अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "वर्षों की समर्पित जनसेवा और भारत के विकास, समृद्धि तथा वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति को मजबूत करने वाले नेतृत्व" को दर्शाती है। उन्होंने भारत और मलेशिया के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का भी उल्लेख किया और दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों के लोगों के लिए नए अवसरों के विस्तार को लेकर भारत के साथ साझेदारी आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं। अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए भारत की जनता के लिए शांति, प्रगति और समृद्धि की कामना भी की। यह बधाई संदेश ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में 12 वर्ष पूरे करते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उनकी यह अवधि 2014 से शुरू होकर 2019 और 2024 के लगातार चुनावी जनादेशों के साथ जारी है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। पीएम मोदी ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिनों का कार्यकाल पूरा किया है। नेहरू का कार्यकाल 1952 से माना जाता है, क्योंकि 1947 से 1952 के बीच वे अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे थे और पहला आम चुनाव उसके बाद हुआ था। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कुल मिलाकर 14 वर्षों से अधिक समय तक प्रधानमंत्री पद संभाला था, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार नहीं रहा। इसी कारण नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री माना जा रहा है।

पीएम मोदी का ज्ञान, नेतृत्व और समर्पण अद्वितीय : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्ष पूरे कर देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 4,399 दिनों का यह रिकॉर्ड करोड़ों

भारतीयों के अटूट विश्वास का प्रतीक है और यह 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना पर जनता की मुहर का जीवंत उदाहरण है। एक विशेष बातचीत में उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व, उनकी लोकप्रियता, विकास कार्यों, पश्चिम बंगाल की राजनीति, ईरान–इजरायल तनाव और एलपीजी कीमतों सहित कई मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कुछ नेता केवल पद पर बैठते हैं, जबकि कुछ अपने कर्मों से इतिहास रचते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे ही विरले नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सत्ता को कभी विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की है और उनका हर प्रयास तथा हर संकल्प देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहा है। पुरी ने कहा कि वह पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी की टीम का हिस्सा हैं ।

राष्ट्र के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई – राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने की विशिष्ट उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर उनके नेतृत्व में जनता द्वारा जताए गए अटूट विश्वास और भरोसे का प्रमाण है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आपका कार्यकाल शासन, आर्थिक मजबूती और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में दूरगामी उपलब्धियों से चिह्नित रहा है।" मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए भारत के

सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मुर्मू ने कहा, "राष्ट्र के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के इस अद्वितीय सम्मान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक अवसर भारत की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में व्यक्त किए गए स्थायी विश्वास और भरोसे का प्रमाण है।" उन्होंने कहा कि व्यापक जनकल्याणकारी पहलों ने विकास के लाभों को अधिक समावेशी और न्यायसंगत तरीके से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया है, जो अंत्योदय के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, "आपके नेतृत्व में शुरू की गई अनेक पहलों में से पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान मेरे हृदय के विशेष रूप से निकट हैं।" उन्होंने कहा, "आपकी प्रेरणादायक यात्रा भारत की सशक्त लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति आशा और नए विश्वास का संचार करती है। मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करती हूं ताकि आप आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में देश का नेतृत्व करते हुए राष्ट्र की सेवा करते रहें।

पीएम मोदी के ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर केंद्रीय मंत्रियों ने जताया गर्व, कहा- विकास को मिली नई दिशा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें बधाई दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान भारत ने विकास, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने पर बधाई। उन्होंने

अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं। 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत से प्रेरित एक अथक कर्मयोगी के रूप में उनका कार्यकाल भारत के प्रति अटूट समर्पण, देशवासियों के कल्याण के प्रति दृढ़ संकल्प और राष्ट्र की सेवा में परिवर्तनकारी नेतृत्व को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत की जनता द्वारा उनके नेतृत्व में जताए गए अटूट भरोसे और समावेशी विकास व सुशासन के प्रति उनकी निरंतर कोशिशों का प्रमाण है।" राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनके अनुसार, इस दौरान देश में सांस्कृतिक और सभ्यतागत पुनर्जागरण भी देखने को मिला है, जिससे भारत अधिक आत्मविश्वासी बना है और अपनी विरासत से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी देश को अधिक समृद्धि, प्रगति और वैश्विक पहचान की ओर ले जा रहे हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा, "आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। यह उपलब्धि करोड़ों भारतीयों के प्रेम, विश्वास और अपार जनसमर्थन का परिणाम है।" उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और बाद में केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्हें प्रधानमंत्री के साथ काम करने का अवसर मिला है ।

सीएम चंद्रबाबू नायडू आज दिल्ली में एनडीए सदस्यों की बैठक में होंगे शामिल

अमरावती, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों की बैठक में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को दो दिन के दौरे पर राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होंगे, जहां वे एनडीए और नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, वे सुबह 11रू30 बजे गन्नवरम हवाई अड्डे से रवाना होंगे और नई दिल्ली पहुंचकर एनडीए गठबंधन सहयोगियों की बैठक में शामिल होंगे। यह बैठक दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक भारत मंडपम में होनी है।तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली एनडीए बैठक की चर्चाओं में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होंगे, जो सुबह 9रू15 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। बैठक खत्म होने

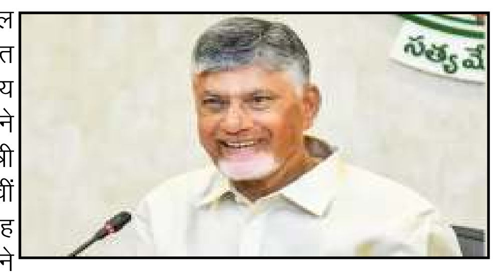

के बाद, वे नई दिल्ली से रवाना होंगे और उसी दिन रात करीब 9 बजे अमरावती पहुंचेंगे। एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर बैठक आयोजित की जा रही है। चर्चाओं में सरकार की उपलब्धियों, भविष्य की नीतिगत प्राथमिकताओं और गठबंधन की आगे की राह के रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है।एनडीए के सभी प्रमुख सहयोगी और गठबंधन के वरिष्ठ नेता चर्चाओं में भाग लेंगे। उपमुख्यमंत्री और जन सेना पार्टी के नेता पवन कल्याण के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है।पश्चिम बंगाल में भजपा की सरकार बनाने और असम में सत्ता बरकरार रखने के बाद एनडीए की यह पहली बैठक होगी। अगले साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ।

आवास–सुरक्षा मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा रहा : तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ज्वलंत जनसमस्याओं और अपनी नीतिगत विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए आवास और सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही है। श्री यादव ने आज बयान जारी कर कहा कि राज्य सरकार बिना किसी स्पष्ट

मानक और मापदंड के लोगों को उच्च श्रेणी की सुरक्षा, मंत्रिस्तरीय आवास और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्धारित नियमों की अनदेखी कर अनुपयुक्त व्यक्तियों को सरकारी संसाधनों का लाभ दिया जा रहा है। राजद नेता ने कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है और कर्मचारी, व्यापारी, किसान, युवा, मजदूर, छात्र तथा शिक्षक सहित सभी वर्ग विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी, बेरोजगारी और प्रशासनिक अव्यवस्था बढ़ी है, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और विधि–व्यवस्था की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। श्री यादव ने कहा कि सरकार को आवास और सुरक्षा जैसे मुद्दों के बजाय जनता से जुड़े मूलभूत सवालों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है, जिससे आम लोगों की परेशानियां बढ़ रही हैं।

भारत का फार्मास्युटिकल क्षेत्र किफायती स्वास्थ्य सेवा और वैश्विक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत का फार्मास्युटिकल क्षेत्र विश्वभर में गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने की देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नई दिल्ली में आयोजित फार्मास्युटिकल क्षेत्र पर वैश्विक राजदूत सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत विचारधारा 'वसुधैव कुटुंबकम्' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की परिकल्पना देश के स्वास्थ्य सेवा एवं फार्मास्युटिकल क्षेत्र के दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने गुणवत्ता, भरोसे और सामर्थ्य को एक साथ जोड़ने की अपनी क्षमता का सफल प्रदर्शन किया है। कोविड–19 महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपनी घरेलू जरूरतों

को पूरा किया, बल्कि ग्लोबल साउथ और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं सहित कई देशों को दवाएं और टीके भी उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि भरोसा, नवाचार और साझेदारी भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग की सबसे बड़ी ताकत हैं तथा स्थापित गुणवत्ता मानकों और मजबूत विनिर्माण क्षमताओं के कारण भारतीय दवाओं को वैश्विक बाजारों में व्यापक स्वीकार्यता मिली है। मंत्री ने कहा कि भारत अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकियों और उच्च मूल्य वाले उत्पादों पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने, उत्पादन बढ़ाने और साझेदारी विकसित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत एक नवप्रवर्तक, निर्माता, किफायती दवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता, उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों में भागीदार और अनुबंध विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में दुनिया की सेवा करने के लिए बेहतर स्थिति में है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत का फार्मास्युटिकल निर्यात वित्त वर्ष 2014–15 के लगभग 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 में लगभग 31 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है।

संपादकीय

धनी तबकों पर ले जाए

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा वे अपना धनी तबकों पर ले जाएं। आर्थिक संकट के बारे में प्रधानमंत्री के भाषणों से देश में फैले भय के बीच अब केंद्र ने सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के आयात पर शुल्क बढ़ा कर 15 (10 प्रतिशत कस्टम् 5 फीसदी कृषि एवं विकास उपकर) कर दिया है। गौरतलब है कि सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार में सेंध लगने का बड़ा कारण बना रहा है। मगर कारणों की पड़ताल करें, तो आयात बढ़ने की सीधी जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी सरकार पर जाएगी। केंद्र ने मई 2022 में यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अमल शुरू किया, जिसके तहत वहां से टैरिफ रेट कोटा सिस्टम के तहत स्वर्ण आयात पर शुल्क सामान्य छह प्रतिशत से एक प्रतिशत कम (यानी पांच प्रतिशत) कर दिया गया। इसके पहले (2022 में) भारत के कुल स्वर्ण आयात में यूएई का हिस्सा 7.9 प्रतिशत (2.9 बिलियन डॉलर) था, जो पिछले साल 28 प्रतिशत (16.5 बिलियन डॉलर) हो गया। इस बीच पिछले साल सोने के भाव में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। इससे सोना आम मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर हो गया। जबकि अति धनी लोग खरीदारी करते रहे, जिससे डॉलर बाहर गया। प्रधानमंत्री ने मध्य वर्ग से विदेश जाने से बचने का आह्वान भी किया है। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विदेश जाने वाले भारतीयों की संख्या में पिछले दो साल में गिरावट आई है। फिर भी डॉलर बाहर जाने में बढ़ोतरी हुई, तो उसका कारण अति धनी व्यक्तियों का विदेश में चल और अचल संपत्ति में निवेश है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक 26.4 बिलियन डॉलर का निवेश इन लोगों ने विदेश में किया। ऐसा इसलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटैंस स्कीम, टैक्स राहत, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आदि के नाम पर विदेशी कर्मियों के लिए खुद इसका मार्ग प्रशस्त किया। ये मुद्दे इसलिए उठे हैं, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा सरकार संकट–कालीन प्रशासनिक उपाय करे और अपना ध्यान मध्य वर्ग के बजाय धनी तबकों पर ले जाए।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है । देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ–साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने–अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है। आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 –26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम –2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस – 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी। सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ–साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है । इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है। घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं ।

तेल के बदले एथेनॉल - समाधान जब समस्या बन जाए

निलेश

विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि या आयात बिल में कमी नहीं है। विकास वह है जो प्रकृति, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करे। इतिहास हमें बार–बार चेतावनी देता रहा है कि तात्कालिक लाभ के लिए बनाए गए समाधान, यदि समग्र दृष्टि के बिना लागू किए जाएं, तो गंभीर संकट का रूप ले सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध, वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने दुनिया को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव के बीच भारत में इन दिनों श्एथेनॉल ब्लेंडिंगश (पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण) को ऊर्जा सुरक्षा के एक बड़े समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार ने 2025–26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है ।गन्ना, मक्का, चावल जैसी स्टार्च वाली फसलों से बनाया जाने वाला श्एथिल अल्कोहलश या एथेनाल पहली दृष्टि में देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयातित तेल पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, भूमि और खाद्य–सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं? इतिहास की चेतावनी–मौजूदा विकास के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए जल्दबाजी में कोई नीति लागू की गई, वह कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गई। आज एथेनॉल के संदर्भ में भी हमें इसी ऐतिहासिक अनुभव से सीखने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां तत्कालीन समस्याओं के समाधान ने भविष्य के लिए नई चुनौतियों को जन्म दिया ।श्हरित क्रांतिश–साठ और सत्तर के दशक में देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। रासायनिक उर्वरकों, संकर बीजों और अत्यधिक सिंचाई पर आधारित श्हरित क्रांतिश ने तत्कालीन भूख की समस्या का समाधान किया और भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, किंतु आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जैव–विविधता के क्षरण, रासायनिक प्रदूषण और भूजल–दोहन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे जा चुका है ।नलकूप क्रांति–किसानों को मानसून की अनिश्चितता से बचाने के लिए नलकूपों और भूजल आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित किया गया। कुछ दशकों बाद स्थिति यह है कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा दोहनकर्ता बन गया है और अनेक क्षेत्र श्डार्क जोनश्र घोषित किए जा चुके हैं। आज एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी यही प्रश्न हमारे सामने खड़ा है। क्या हम ऊर्जा सुरक्षा की खोज में जल–सुरक्षा और खाद्य–सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं? आंकड़ों के पीछे छिपा जल संकट–भारत में वर्तमान में मुख्यतरू श्पहली पीढ़ीश (1जी) के एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना, चावल और श्जीएमश (जीनेटिकली मॉडीफाइड) मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग किया जा रहा है। ये फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं ।भारत के अनेक राज्य पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में ज्यादा पानी वाली फसलों को ईंधन उत्पादन के लिए बढ़ावा देना दीर्घकालिक दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। खेती की विविधता का क्षरण–भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है जिस पर वे अपने भोजन एवं अन्य जरूरत की फसलें लेते हैं। एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और बाजार के आकर्षण ने खेती के इस स्वरूप में तेजी से बदलाव लाना शुरू कर दिया है। परंपरागत रूप से किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप से अपनाता था। इससे खाद्य–सुरक्षा सुनिश्चित होती थी। आज नकदी फसलों और एकल खेती के विस्तार के कारण किसान स्वयं अपने भोजन के लिए बाजार पर निर्भर होता जा रहा है। श्बीज संप्रभुताश का संकट–देशी बीजों की परंपरा लगातार कमजोर हो रही है। किसान अब बाजार आधारित संकर बीजों, रासायनिक उर्वरकों और बाहरी आदानों पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ती है और किसानों की ऋणग्रस्तता गहराती है। ग्रामीण समाज में श्अड़जी–पड़जीश जैसी परंपराएं, जिसमें लोग एक–दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे, धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही हैं। यंत्रीकरण और व्यावसायिक खेती ने सामुदायिक संबंधों को कमजोर किया है। भोजन बनाम ईंधन–एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर प्रश्न श्भोजन बनाम ईंधनश का है। जब उपजाऊ भूमि और खाद्य फसलें वाहनों के लिए ईंधन उत्पादन में लगाई जाएंगी, तो खाद्य–सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि किसान अधिक लाभ के कारण दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर एथेनॉल की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को दालों और खाद्य तेलों के आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसे में हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा देंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा लेंगे। इससे न तो वास्तविक आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी और न ही संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होगा। ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे जल, भूमि और खाद्य–सुरक्षा की कीमत पर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए कुछ वैकल्पिक और दूरदर्शी कदम आवश्यक हैं। एथेनॉल उत्पादन को कृषि अपशिष्ट, जैविक कचरे और दूसरी पीढ़ी (2जी) के बायोफ्यूल तक सीमित किया जाए ।गांव स्तर पर विकेंद्रीकृत बायोगैस और जैव–ऊर्जा मॉडल विकसित किए जाएं। ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी और रागी जैसी कम पानी वाली मोटे अनाज की फसलों को प्रोत्साहित किया जाए।

इंडिया गठबंधन की बैठक का संदेश– हम नहीं सुधरेंगे

अनिल

उम्मीद की जा रही थी कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद चुनाव आयोग के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के एकतरफा फैसले और पश्चिम बंगाल व असम में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका स्पष्ट रूप से देख लेने के बाद विपक्षी दल इस बैठक में इंडिया गठबंधन को व्यावहारिक आकार देंगे। लोकसभा में संख्याबल के लिहाज से जितना मजबूत विपक्ष इस समय है, उतना पहले कभी नहीं रहा, लेकिन इसी के साथ हकीकत यह भी है कि विपक्ष जितना दिशाहीन और निस्तेज आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। यही वजह है कि सरकार अल्प बहुमत में होने के बाद भी जो चाहती है, वह कर गुजरती है और विपक्ष देखता रह जाता है। विपक्षी एकता का प्रदर्शन कभी–कभार संसद में तो दिख जाता है परन्तु सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों पर वह एकता आंदोलनात्मक कार्रवाई के रूप में सड़कों पर कभी दिखाई नहीं देती है। विपक्ष की यह दिशाहीनता और उदासीनता सोमवार को उसके इंडिया गठबंधन की बैठक में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी ।लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर दो महीने पहले सरकार और भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देने के बाद हुई विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की बहुप्रतीक्षित बैठक काफी अहम मानी जा रही थी। उम्मीद की जा रही थी कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद चुनाव आयोग के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के एकतरफा फैसले और पश्चिम बंगाल व असम में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका स्पष्ट रूप से देख लेने के बाद विपक्षी दल इस बैठक में इंडिया गठबंधन को व्यावहारिक आकार देंगे और सरकार को घेरने की कोई ठोस रणनीति व कार्यक्रम बनाएंगे। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ ।करीब ढाई घंटे तक चली बैठक में 25 दलों के नेताओं ने भाग लिया। ये 25 दल संसद में देश की लगभग 65 फीसदी जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिन्हें यह भी अच्छी तरह से अहसास होगा ही कि पेट्रोल–डीजल व रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों और सरकार की अन्य जनविरोधी नीतियों व फैसलों के चलते जनता इस समय किन मुश्किलों का सामना कर रही है। बैठक में इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ किसी साझा आंदोलन का फैसला करने के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की गई कि वह आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाए ।प्रधानमंत्री से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग अपने आप में हास्यास्पद तो है ही, यह उसकी नासमझी भी है। सोचने वाली बात है कि विपक्ष उस प्रधानमंत्री से आर्थिक संकट पर सर्वदलीय बैठक बुलाने को कह रहा है, जिसने अमेरिकी दबाव में आकर दिशाहीन फैसले लेते हुए देश के समक्ष इस संकट को न्योता दिया है, जो अपने अहंकार के चलते विपक्ष के किसी सवाल का जवाब तक देना उचित नहीं समझता है और जो कभी सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं होता। सवाल है कि ऐसे प्रधानमंत्री के सामने यह मांग रख कर विपक्ष क्या हासिल करना चाहता है?विपक्षी नेताओं की बैठक में चुनावी धांधली और एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की मनमानी पर भी चिंता जताई गई पर इस सवाल पर भी किसी साझा आंदोलन की योजना की बनाने के बजाय सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखने का फैसला किया गया, जो कि किसी मजाक से कम नहीं है। सवाल है कि जिस प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद भी चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ एक नहीं सुनी, जो चीफ जस्टिस देश के बेरोजगार नौजवानों को कॉकरोच बता कर लंदन में गरमी की छुट्टियां मनाते हुए बेडमिंटन खेल रहे हैं, उन्हें अब आप पत्र में ऐसा क्या लिख देंगे जिससे उसकी अंतरात्मा जाग जाएगी और अपने संवैधानिक कर्तव्य याद आ जाएंगे? नीट और सीबीएसई की परीक्षाओं में हुई गंभीर गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी नेताओं ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है, लेकिन इसके लिए कोई अल्टीमेटम नहीं दिया गया है। मानो विपक्ष के मांग करने भर से शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे देंगे या मोदी उनसे इस्तीफा मांग लेंगे। विपक्ष से ज्यादा सटीक ढंग से तो यह मांग कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर जंतर–मंतर पर जुटे युवाओं ने सरकार से की है और इसके लिए एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। बहरहाल सवाल यह भी है कि अगर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो भी गया तो उससे क्या होगा? उनकी जगह किसी अन्य श्धर्मेंद्र प्रधानश को शिक्षा मंत्री बना दिया जाएगा। द्रविड़ मुनैत्र कड़गम यानी डीएमके इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण घटक रहा है, लेकिन उसने कांग्रेस से अपनी नाराजगी के चलते गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। यही नहीं, उसने लोकसभा में कांग्रेस के साथ बैठने से इनकार करते हुए अपने 22 सदस्यों के बैठने के लिए अलग व्यवस्था करने का अनुरोध भी स्पीकर से किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके को मनाने और उसे फिर से साथ में लाने पर चर्चा होनी चाहिए थी लेकिन नहीं हुई। इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक पत्र लिख कर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए सीपीएम और भाजपा के बीच सौदेबाजी के आरोप और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से वहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर सख्त आपत्ति और नाराजगी जताई। सीपीएम महासचिव ने अपने पत्र में कहा कि उनकी पार्टी ऐसे बेबुनियाद आरोपों को हल्के में नहीं ले सकती क्योंकि यह भाजपा के खिलाफ बनी विपक्षी एकता की बुनियाद पर हमला है। यह बात इंडिया गठबंधन की बैठक में सीपीएम के नेता जॉन ब्रिटास ने भी उठाई, जिस पर राहुल गांधी ने बेहद चलताऊ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों में चुनाव के दौरान स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी इकाइयों के सुझावों को भी ध्यान में रखना होता है ।इंडिया गठबंधन को अस्तित्व में आए तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक गठबंधन का कोई संगठनात्मक ढांचा नहीं बन पाया है। न तो उसका कोई अध्यक्ष या संयोजक चुना जा सका है और न ही कोई संचालन या समन्वय समिति गठित हो सकी है। गठबंधन का कोई सचिवालय और उसके प्रवक्ताओं का पैनल भी आज तक नहीं बन पाया है। चूंकि पिछले तीन सालों के दौरान गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां ठोकर खा चुकी हैं, इसलिए इस बार उम्मीद की जा रही थी कि गठबंधन के नेता जब बैठेंगे तो इन सभी मसलों पर कोई ठोस निर्णय लेंगे। कांग्रेस गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए ऐसे मसलों पर पहल की उम्मीद उससे ही की जाती है, लेकिन इस बैठक में न तो कांग्रेस ने और न ही बाकी दलों ने इस बारे में कोई बात की। राजनीतिक विश्लेषण अलबत्ता बैठक में यह जरूर तय हुआ कि अब से हर दो महीने में गठबंधन में शामिल दलों की बैठक हुआ करेगी और अगली बैठक आगामी अगस्त महीने में हैदराबाद में होगी। इसके अलावा संसद के मानसून सत्र के दौरान संसदीय समन्वय भी जारी रहेगा और हर सुबह नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में समन्वय बैठक होगी। लेकिन सवाल है कि इन सब बातों के ढाई घंटे तक बैठक करने की क्या जरूरत थी।

जंगलों से जननी सुरक्षा तक सुरक्षित मातृत्व की राह पर बदलता छत्तीसगढ़

जगत प्रकाश

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी सड़कों, भवनों और उद्योगों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होता है जो अपने सबसे संवेदनशील नागरिकों की रक्षा करती है। गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होते हैं। जब एक मां सुरक्षित रहती है तो केवल एक जीवन नहीं बचता, बल्कि एक पूरे परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। भारत ने पिछले एक दशक में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस परिवर्तनकारी यात्रा को तय किया है, वह विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में उभरी है। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है, जिसने गर्भवती महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान की सफलता की सबसे प्रभावशाली कहानियों में से एक छत्तीसगढ़ की है, जहां घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं ने नई पहचान बनाई है। दस वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच की कल्पना भी कठिन थी, वहां आज हर महीने की 9 तारीख मातृ स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सकीय सेवाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह बदलाव केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और जन–भागीदारी के सामूहिक प्रयासों की कहानी है। नौ तारीख बनी सुरक्षित मातृत्व का प्रतीक 9 जून 2016 को शुरू हुए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की अवधारणा सरल लेकिन प्रभावशाली थी। गर्भावस्था के नौ महीनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रसव पूर्व जांच दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। इस दिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निरूशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है। इस पहल ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को नियमितता और पहचान दी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और उनके परिवारों के लिए यह समझना आसान हुआ कि प्रत्येक माह की नौ तारीख स्वास्थ्य जांच के लिए निर्धारित है। परिणामस्वरूप प्रसव पूर्व जांच की पहुंच और स्वीकार्यता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज देशभर में करोड़ों महिलाओं ने इस अभियान का लाभ उठाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और जोखिमों की पहचान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़ के लिए चुनौती थी भूगोल, समाधान बना समुदाय छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियां देश के अनेक राज्यों से भिन्न हैं। बस्तर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जैसे जिलों के बड़े हिस्से वनाच्छादित हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां बरसात के मौसम में पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। वर्षों तक इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहा। आदिवासी अंचलों में पारंपरिक मान्यताओं और घरेलू प्रसव की प्रथा भी लंबे समय तक मातृ स्वास्थ्य सुधार की राह में बाधा बनी रही। कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय जांच नहीं कराती थीं। जटिलता होने पर अस्पताल पहुंचने में देर हो जाती थी और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी। यहीं से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने बदलाव की शुरुआत की। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संयुक्त रूप से रणनीति तैयार की कि जोखिम सामने आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले उसकी पहचान की जाए। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, हाट–बाजार क्लीनिक, विशेष स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया गया। आज स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कभी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, जांच और फॉलोअप संभव हो रहा है। समय रहते जोखिम की पहचान बनी सबसे बड़ी ताकत मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश गंभीर प्रसूति जटिलताएं अचानक नहीं होतीं। उनके संकेत गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने लगते हैं। यदि समय पर पहचान हो जाए तो अधिकांश जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताएं, कम उम्र या अधिक उम्र में गर्भधारण तथा जुड़वा गर्भ जैसी स्थितियों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है। इन मामलों को चिन्हित करने के बाद उन्हें उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ा जाता है ताकि प्रसव के समय किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो। यही कारण है कि राज्य के दूरस्थ जिलों में भी जटिल प्रसवों के सुरक्षित प्रबंधन की संभावना बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर रेफरल और नियमित निगरानी ने अनेक माताओं और नवजातों का जीवन बचाया है। डिजिटल ट्रैकिंग ने स्वास्थ्य सेवाओं को दिया नया आयाम पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति प्रदान की है। पीएमएसएमए पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नाम आधारित ट्रैकिंग संभव हुई है। किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद जानकारी तत्काल ऑनलाइन दर्ज की जाती है। यदि किसी महिला को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा जाता है तो उसकी जानकारी संबंधित चिकित्सकीय इकाइयों तक पहुंच जाती है। इससे स्वास्थ्य तंत्र को पहले से तैयारी करने का अवसर मिलता है। प्रसव की संभावित तिथि, चिकित्सकीय स्थिति और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध रहने से आपातकालीन परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां दूरी और परिवहन लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहे हैं, डिजिटल निगरानी प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाया है। गांव की पगडंडी से अस्पताल तक, आशा कार्यकर्ताओं का असाधारण योगदान यदि इस परिवर्तन की असली कहानी लिखी जाए तो उसमें सबसे प्रमुख स्थान अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का होगा। आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं। आशा कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करती हैं, उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहायता करती हैं। कई दूरस्थ गांवों में उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को बदलने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण संबंधी निगरानी करती हैं, जबकि एएनएम टीकाकरण, प्राथमिक जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रारंभिक स्तर पर जोखिमों की पहचान कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से समन्वय स्थापित करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इन कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता के बिना मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की कल्पना संभव नहीं थी।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा से शिक्षकों को मिलेगा बड़ा संबल : सीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष एवं प्रांतीय संयुक्त महामंत्री अमित सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी से गोनापार स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान शिक्षकों ने सांसद को गुलदस्ता एवं धन्यवाद पत्र भेंट कर आभार व्यक्त किया। शिक्षकों का आभार स्वीकार करते हुए राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राष्ट्रनिर्माता शिक्षकों के सम्मान और कल्याण के

लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के संकल्प पत्र में किए गए वादे को पूरा करते हुए सरकार ने शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा की ऐतिहासिक सौगात दी है, जिससे शिक्षकों और उनके परिवारों को आपातकालीन स्वास्थ्य परिस्थितियों में बड़ी राहत और सुरक्षा मिलेगी। सांसद ने कहा कि यह योजना शिक्षकों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि योगी सरकार का यह निर्णय शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी साबित होगा। इसके लिए शिक्षक समुदाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधाकर उपाध्याय, भाजपा जिलामंत्री डॉ. देवी प्रकाश सिंह, शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव सिंह लोहिया, गौरव सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विधानसभा में टिकट नहीं मिला तो नेता साफ हो जाएंगे – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि आने वाले समय में राजनीतिक हालात तेजी से बदलेंगे और भाजपा के भीतर बड़े स्तर पर टिकट वितरण और प्रत्याशी परिवर्तन की स्थिति बन सकती है।अखिलेश यादव ने कहा कि "अभी आधे लोग हाफ हो चुके हैं, विधानसभा में टिकट नहीं मिलेगा तो साफ हो जाएंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि विकास परियोजनाओं के नाम पर भ्रष्टाचार और लेनदेन की व्यवस्था चलती रही, और जब "टारगेट पूरा हो गया तो अब राजनीतिक जिम्मेदारी से हटाने की तैयारी हो रही है।"उन्होंने दावा किया कि प्रयागराज (इलाहाबाद) की सभी सीटों पर भाजपा अपने प्रत्याशी बदलने की चर्चा में है, क्योंकि वहां के वर्तमान विधायकों पर जनता की अपेक्षाओं पर खरा न उतरने और लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन कमजोर रहने के आरोप लग रहे हैं।सपा प्रमुख ने आगे कहा कि यह स्थिति केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि उन 43 लोकसभा सीटों पर भी लागू हो रही है, जहां विपक्षी गठबंधन को सफलता मिली थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ सीटों पर "हेरफेर" के जरिए परिणाम प्रभावित किए गए।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के कई वर्तमान विधायक स्वयं भी चुनाव लड़ने से बचना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें जनता के बीच माहौल प्रतिकूल लग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के बीच बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को लेकर असंतोष बढ़ा है।

झाँसी में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई के 39वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, झाँसी कार्यालय के 39वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय संग्रहालय, झाँसी के सभागार में दीप प्रज्वलन के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बुंदेलखंड की ऐतिहासिक धरोहर, पुरातात्विक महत्व एवं उनके संरक्षण के प्रयासों पर विस्तार से विचार–विमर्श हुआ।कार्यक्रम में डॉ. राजीव कुमार त्रिवेदी, प्रभारी क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी, झाँसी ने इकाई की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि पं. रवि शर्मा, विधायक झाँसी सदर ने अपने संबोधन में बुंदेलखंड की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और किलों के संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र किलों और ऐतिहासिक धरोहरों की भूमि है तथा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप यहां के किलों एवं विरासत स्थलों का विकास राजस्थान की तर्ज पर किया जाना चाहिए।विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राचीन धरोहरों के संरक्षण में सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिद्धेश्वर सिद्धपीठ आश्रम झाँसी के सदगुरु आचार्य पं. हरि ओम पाठक ने की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं संग्रहालय के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया।पूर्व प्रभारी अधिकारी डॉ. एस.के. दुबे ने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से पिछले 39 वर्षों में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई झाँसी द्वारा किए गए अनुसंधान और खोज कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

यूपी पॉलीटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2026 का सफल समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (पॉलीटेक्निक), उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के राजकीय, अनुदानित, पीपीपी मोड एवं निजी क्षेत्र की पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभिन्न डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)–2026 का सफल, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण समापन हो गया है।यह परीक्षा 02 जून से 09 जून 2026 तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली के माध्यम से आयोजित की गई। तकनीकी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी इस महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों को इंजीनियरिंग, फार्मेसी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, परिधान प्रौद्योगिकी तथा होटल प्रबंधन सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अवसर प्राप्त होता है।परीक्षा का आयोजन पूर्णतः कंप्यूटर आधारित होने के कारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ रही। परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु सभी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षित प्रवेश व्यवस्था एवं तकनीकी सहायता टीमों की तैनाती की गई। परिषद मुख्यालय, लखनऊ से पूरी परीक्षा प्रक्रिया की सतत निगरानी की गई ।

सोशल मीडिया पर रंगबाजी का वीडियो बनाकर दहशत फैलाने वाले तीन युवक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे ष्ऑपरेशन वज्रपातष के तहत मीरगंज पुलिस ने सोशल मीडिया पर रंगबाजी और आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित कर समाज में भय एवं अशांति का माहौल पैदा करने के आरोप में तीन युवकों को बुधवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी एवं कानून–व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा के पर्यवेक्षण में मीरगंज थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो की जांच के दौरान कुछ युवक रंगबाजी और आपत्तिजनक गतिविधियों का प्रदर्शन करते हुए पाए गए, जिससे क्षेत्र में भय और अशांति का वातावरण उत्पन्न होने की आशंका थी।थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आयुष सिंह निवासी रामगढ़ (गोगावल) थाना मीरगंज, अनुराग मोदनवाल निवासी बरांवा थाना मीरगंज तथा दुर्गेश बिंद निवासी भिखारीपुर थाना मछलीशहर के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि तीनों के विरुद्ध शांति भंग की आशंका के दृष्टिगत बीएनएसएस की धारा 170ध्126ध135 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों का चालान कर न्यायालय भेज दिया गया।

थाना परिसर के हनुमान मंदिर में प्रेमी युगल ने लिए सात फेरे, परिजनों की सहमति से हुआ विवाह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सरपतहा थाना अंतर्गत प्रेम संबंध को विवाह का मुकाम दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे एक प्रेमी युगल का बुधवार को थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में परिजनों की सहमति से विवाह संपन्न कराया गया। विवाह समारोह में दोनों पक्षों के परिजन, शुभचिंतक और ग्रामीण मौजूद रहे तथा नवदंपती को आशीर्वाद दिया। थाना क्षेत्र के जंगीपुर गांव निवासी विकास बिंद और सुल्तानपुर जनपद के दोस्तपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरानीपट्टी कटघरा गांव निवासी रजनी बिंद के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था। बताया जाता है कि रजनी अपने ननिहाल जंगीपुर आई थी, जहां दोनों की मुलाकात हुई। बाद में दोनों ने एक ही कॉलेज में पढ़ाई शुरू की, जिससे उनका प्रेम और गहरा हो गया। जब परिजनों को दोनों के संबंधों की जानकारी हुई तो उन्हें अलग करने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रेमी युगल विवाह करने की जिद पर अड़ा रहा। मामला थाने तक पहुंचा, जहां कई दौर की पंचायत और समझौता वार्ता हुई। दोनों की दृढ़ इच्छा और आपसी सहमति को देखते हुए आखिरकार परिवार के लोग विवाह के लिए तैयार हो गए। बुधवार को थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में दोनों परिवारों की मौजूदगी में विकास और रजनी ने एक–दूसरे को वरमाला पहनाई और वैदिक रीति–रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंध गए। विवाह के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने नवदंपती को सुखद और सफल वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

भूमि विवाद में खूनी संघर्ष एक की मौत, चार गंभीर घायल जिला अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित बक्शा थाना क्षेत्र के कौली गांव में बुधवार रात भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। थाना अंतर्गत कौली गांव निवासी अजय कुमार सिंह (48) का पड़ोसी दानबहादुर शर्मा और तेजबहादुर शर्मा से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार शाम करीब 7रू30 बजे दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान लाठी–डंडों से हमला किया गया, जिसमें अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर उनके परिजन अखिलेश सिंह, हिमांशु सिंह, शिवम सिंह और आकृति सिंह मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को नौपेड़वा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान अजय सिंह (48)की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय मोर्चरी में रखवा दिया है।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।जल्द ही उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पंचायत चुनाव 2026 जौनपुर में 36.97 लाख मतदाता चुनेंगे गांव की सरकार, अंतिम मतदाता सूची जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच जिला प्रशासन ने बुधवार शाम को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया। इसके साथ ही जिले की 1,734 ग्राम पंचायतों में अब 36 लाख 97 हजार 376 मतदाता गांव की सरकार चुनने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह संख्या वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव की तुलना में 77 हजार 358 अधिक है।मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य पिछले लगभग एक वर्ष से चल रहा था। दिसंबर 2025 में प्रकाशित अनंतिम मतदाता सूची में 18 लाख 11 हजार 462 डुप्लीकेट मतदाता चिन्हित किए गए थे। इसके बाद प्रशासन ने 1,959 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की मदद से व्यापक सत्यापन अभियान चलाया।सत्यापन के दौरान जिन मतदाताओं के नाम दो या तीन स्थानों पर दर्ज पाए गए, उन्हें सूची से हटाया गया। अंतिम प्रकाशन में 9 लाख 24 हजार 841 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि 8 लाख

47 हजार 483 अपात्र, मृतक अथवा अन्य कारणों से अयोग्य पाए गए मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसके अलावा 72 हजार 530 मतदाताओं के नाम और विवरण में संशोधन किया गया।अंतिम सूची के अनुसार जिले में 19 लाख 60 हजार 777 पुरुष तथा 17 लाख 36 हजार 599 महिला मतदाता हैं। वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में जिले में कुल 36 लाख 20 हजार 18 मतदाता थे, जबकि इस बार यह संख्या बढ़कर 36 लाख 97 हजार 376 पहुंच गई है।जिले में पंचायत चुनाव के तहत 1,734 ग्राम पंचायतों, 83 जिला पंचायत सदस्य क्षेत्रों, 2,020 क्षेत्र पंचायत सीटों तथा लगभग 21,486 ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा।इस संबंध में गुरुवार को जानकारी लेने पर

उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा ने बताया कि पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। सूची को सभी विकास खंड मुख्यालयों और ग्राम पंचायतों में चस्पा किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को सूची के संबंध में कोई आपत्ति या दावा प्रस्तुत करना है तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकता है।

सीजेएम के आदेश पर आबकारी निरीक्षक और सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) श्वेता यादव के आदेश पर लाइनबाजार थाना पुलिस ने आबकारी विभाग के एक निरीक्षक और एक सिपाही के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी एवं अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। मामला शराब दुकान संचालक से कथित रूप से विभागीय खर्च के नाम पर धनराशि मांगने से जुड़ा है। लाइनबाजार थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी राकेश कुमार सिंह ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनकी पत्नी चौरी बाजार क्षेत्र में देशी शराब की दुकान संचालित करती हैं। उनके अनुसार 24 अगस्त 2024 को आबकारी विभाग के सिपाही शुजाउद्दीन ने फोन कर विभागीय खर्च का हवाला देते हुए धनराशि की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में उनकी बातचीत आबकारी निरीक्षक आदित्य सिंह से कराई गई, जिन्होंने कथित रूप से विभिन्न दुकानों से धन एकत्र किए जाने की बात कही और उनके हिस्से में 1,800 रुपये आने की जानकारी दी। वादी के अनुसार रुपये न देने पर दुकान सीज कराने तथा उनकी पत्नी के खिलाफ कार्रवाई कराने की धमकी भी दी गई। भयवश उन्होंने संबंधित कार्यालय पहुंचकर धनराशि दे दी। राकेश कुमार सिंह ने न्यायालय को बताया कि उन्होंने कथित बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी है। उन्होंने इस संबंध में विभागीय अधिकारियों, आबकारी आयुक्त कार्यालय और पुलिस अधिकारियों से शिकायत भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली। मामले की सुनवाई के बाद सीजेएम ने प्रकरण को गंभीर मानते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 9 जून को लाइनबाजार थाने में आबकारी निरीक्षक आदित्य सिंह और सिपाही शुजाउद्दीन के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।वही इस मामले में बुधवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष के के सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी।

फीनिक्स पलासियो के हॉलिडेलैंड कैम्पेन में आया नया उत्साह, लेगो प्लेग्राउंड ने बढ़ाई रौनक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ ।फीनिक्स पलासियो में चल रहे हॉलिडेलैंड कैम्पेन के तहत शुरू हुआ लेगो प्लेग्राउंड बच्चों को बेहद पसंद आ रहा है। लेगो प्लेग्राउंड का पांचवां एडीशन पहली बार लखनऊ पहुंचा है, जहां बच्चे खेल और क्रिएटिव ऐक्टिविटीज के जरिए नई चीजें सीख रहे हैं। 5 से 14 जून तक चलने वाले देखो प्लेग्राउंड को बच्चों की इमैजिनेशन, आत्मविश्वास और स्किल डेवलपमेंट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। लेगो प्लेग्राउंड में बच्चे स्पीड बिल्ड, ब्रिक मिक्स और ब्रिक बैलेंस जैसी ऐक्टिविटीज में हिस्सा ले रहे हैं। स्पीड बिल्ड में बच्चे टीम बनाकर निश्चित समय में लेगो बिल्डिंग का काम पूरा करते हैं, जिससे उनमें आपसी सहयोग और ग्रुप में काम करने की भावना विकसित होती है। ब्रिक मिक्स में चौलेंज पर आधारित सिग्नल के अनुसार अलग–अलग स्मार्ट बिल्डिंग्स बनानी होती हैं, जो बच्चों में प्रॉब्लम सॉल्विंग को बढ़ावा मिलता है। वहीं ब्रिक बैलेंस के माध्यम से बच्चे संतुलन, धैर्य और फोकस की प्रैक्टिस करते हैं। रंग–बिरंगे लेगो स्ट्रक्चर, इंटरएक्टिव जोन और चौलेंज पर आधारित खेल बच्चों को मनोरंजन के साथ सीखने का अवसर दे रहे हैं। यहां भाग लेने वाले बच्चों को सभी चौलेंज पूरे करने पर विशेष लेगो गिफ्ट पाने का मौकघ भी मिल रहा है। इसके अलावा विशेष सरप्राइज तो हैं ही साथ ही लेगो प्रॉक्ट्स को देखने और खरीदने की सुविधा भी उपलब्ध है। फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, "हॉलिडेलैंड कैम्पेन का लक्ष्य बच्चों और परिवारों को ऐसा एक्सपीरियंस देना है जिसमें मनोरंजन के साथ सीखने का मौकघ भी मिले। लेगो प्लेग्राउंड इसी सोच का हिस्सा है, जहां बच्चे खेल–खेल में नए स्किल सीखते हैं, अपनी इमैजिनेशन को आकार देते हैं और आत्मविश्वास के साथ नई चुनौतियों का सामना करते हैं। हमें खुशी है कि इस आयोजन को लखनऊ के परिवारों का शानदार सहयोग मिल रहा है।" हॉलिडेलैंड कैम्पेन में फीनिक्स पलासियो में पूरे गर्मी के मौसम के दौरान ऐसे ही कई मनोरंजक कार्यक्रम किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों और परिवारों को एक ही स्थान पर खेलने, सीखने और मनोरंजन करने का अनूठा मेल मिलेगा।

संत एस. राम इंटर कॉलेज में रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह संपन्न, मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप लोधी ने बच्चों को बांटे छाते

लखनऊ डेस्क (आर एल पाण्डेय)रू जानकीपुरम विस्तार स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान संत एस. राम इंटर कॉलेज में कक्षा पी.जी. से 8वीं, 9वीं और 11वीं के छात्र–छात्राओं के लिए वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंधक डॉ. दिलीप लोधी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप लोधी ने वर्ष भर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रगति पत्र सौंपे उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है और सभी विद्यार्थियों को भविष्य में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस वर्ष बढ़ती हुई भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए विद्यालय प्रबंधन द्वारा एक अत्यंत सराहनीय एवं कल्याणकारी कदम उठाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं को धूप से सुरक्षा के लिए एक–एक छाता उपहार स्वरूप वितरित किया गया। इसके साथ ही, बच्चों को गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहने, तेज धूप से बचने और प्रचुर मात्रा में जल व तरल पदार्थों का सेवन करने जैसे महत्वपूर्ण उपाय भी बताए गए।इस मौके पर पार्षद दीपक लोधी, प्रधानाचार्या मिथिलेश कनौजिया, नन्द किशोर लोधी(चाचा जी), शिक्षकगण एवं गीता परिवार से गीता परिवार जानकीपुरम टीम के कार्यकर्ता–

1. श्री नवीन चंद्र जोशी भैया,
2. श्री अखिलेश माथुर भैया,
3. श्रीमती तृप्ति शुक्ला दीदी,
4. श्रीमती निवेदिता कुंवर दीदी,
5. श्रीमती सुषमा वैष दीदी,
6. श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव दीदी
7. श्रीमती सुरभि श्रीवास्तव दीदी

उपस्थित रहे।

बजरंगबली की भक्ति में डूबी राजधानी

लखनऊ, (संवाददाता)। मंगलवार को पूरा शहर बजरंगबली की भक्ति में सराबोर नजर आया। प्रमुख हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दिनभर हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और भजन–कीर्तन की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धा और सेवा के इस पर्व पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने जगह–जगह भंडारे लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की। हनुमान सेतु स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना, भव्य श्रृंगार, आरती और भोग का आयोजन किया गया। वहीं लेटे हनुमान मंदिर में सुबह सिंदूर चोला चढ़ाकर विशेष श्रृंगार किया गया और श्रद्धालुओं ने गर्मी से राहत तथा जनकल्याण की प्रार्थना की। अलीगंज स्थित नए हनुमान मंदिर में गुड़–धनिया का प्रसाद वितरित किया गया, जबकि कैसरबाग के हनुमंत धाम में विधि–विधान से पूजा–अर्चना के साथ भंडारे का आयोजन हुआ। अलीगंज के पुराने हनुमान मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। चौक कोतवाली स्थित कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में बजरंगबली का विशेष श्रृंगार किया गया। महंत विशाल गौड़ ने बजरंगबली को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाया। पूजा–अर्चना के बाद आरती की। भंडारे में छोला–चावल का प्रसाद बांटा। – सिंधी समाज और एमके इंजीनियरिंग की ओर से इंदिरा नगर के बी–ब्लॉक में आयोजित भंडारे का शुभारंभ महंत देव्या गिरी व शिव शांति आश्रम के साईं मोहनलाल ने किया। मेला कमेटी अध्यक्ष रतन मेघानी, मोहनदास लधानी, सतीश लखमानी, सतीश लखमानी आदि ने श्रद्धालुओं को पूड़ी–सब्जी, कढ़ी–चावल, बूंदी व मठ्ठे का प्रसाद वितरित किया।

शिव मंदिर के सरोवर में नहाते समय डूबे दो किशोर, एक का शव मिला– दूसरे की तलाश जारी

गोरखपुर, (संवाददाता)। बेलीपार थाना क्षेत्र के भौवापार स्थित शिव मंदिर के सरोवर में बुधवार को नहाने के दौरान दो किशोर डूब गए। इनमें एक किशोर की मौत हो गई, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार बेलीपार क्षेत्र के बगही गांव निवासी शिवम गुप्ता (16) पुत्र भोला गुप्ता अपने एक दोस्त के साथ भौवापार स्थित शिव मंदिर परिसर पहुंचे थे। दोनों सरोवर में नहाने लगे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। सरोवर के आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। काफी मशक्कत के बाद शिवम को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरे किशोर की तलाश के लिए स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से खोजबीन जारी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

खुले जर्जर नाले में गिरने से बिहार के युवक की मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर क्षेत्र में मंगलवार शाम लगभग 4:30 बजे फातिमा बाईपास स्थित बांसमंडी के पास खुले और जर्जर नाले में गिरने से बिहार के 40 वर्षीय तेतर दास की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह नाले के किनारे से गुजर रहा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया और युवक को मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक अचानक फिसलकर गहरे खुले नाले में गिर गया। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया लेकिन कोई भी उतरकर उसे बचाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

क्यूट बेबी प्रतियोगिता में अमेठी की व्योमिका तिवारी अव्वल

प्रयागराज, (संवाददाता)। स्व. श्रीनाथ तिवारी राजेंद्र तिवारी चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उत्तर प्रदेश स्तर पर ब्राह्मन्स क्यूट बेबी प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अमेठी की 9 माह की व्योमिका तिवारी पहले स्थान पर रहीं। जबकि दिल्ली के दिविक मिश्रा दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर प्रतापगढ़ की आध्या दुबे रही। ऑनलाइन इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों के दो वर्ष से छोटे बच्चों ने प्रतिभा किया है। प्रतियोगिता के लिए प्रदेश के विभिन्न भागों से कुल 70 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। इन परिस्थितियों के पहले चरण में केवल 12 बच्चे दूसरे राउंड में पहुंचे। इन प्रतियोगिता में निर्णय के लिए सुल्तानपुर से प्रोफेसर दिव्या त्रिपाठी, दिल्ली से डॉक्टर यशी और प्रयागराज से डॉक्टर अवनी पांडे ने अपना योगदान दिया। विशेष जज के रूप में सुश्री अद्विता शुक्ला ने अपना दायित्व निभाया। निर्णायकों द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार अमेठी के सुनील कुमार तिवारी की 9 माह की बिटिया व्योमिका तिवारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर दिल्ली के देवांकुर मिश्रा के पुत्र दिविक मिश्रा रहे। देवांकुर के पिता संतोष कुमार मिश्रा प्रतापगढ़ के निवासी हैं। तीसरे स्थान पर प्रतापगढ़ की ही हरिओम तत्सत नंदन दुबे की 4 माह की पुत्री आध्या दुबे रही। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष डॉ प्रोफेसर रमा त्रिपाठी ने बताया कि यह प्रतियोगिता का प्रथम वर्ष है। भविष्य में इसे वृहद रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विजेताओं को ट्रस्ट की तरफ से सीघ्र ही पुरस्कार प्रेषित किए जाएंगे।

कुशीनगर में पोस्टर विवाद में विशेष समुदाय ने की बुजुर्ग की पीटकर हत्या

गोरखपुर, (संवाददाता)। कुशीनगर जिले के तमकुहीराज थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की पीटकर हत्या कर दी गई है। यह घटना बिहार बुजुर्ग गांव के टोला दीपराय में मंगलवार रात करीब 11 बजे हुई। पोस्टर फाड़ने के विवाद के बाद 60 वर्षीय रामभजन गिरी को मौत के घाट उतार दिया गया। मांगुरिपट्टी निवासी रामभजन गिरी की हत्या का आरोप एक विशेष समुदाय के कुछ युवकों पर लगा है। यह विवाद यज्ञ के दौरान एक मकान पर लगे कथावाचिका के पोस्टर फाड़ने को लेकर शुरू हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। देर रात पुलिस अधीक्षक गांव पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। गांव में दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। किसी भी अप्रिय घटना को

रोकने के लिए गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही एक प्लाटून प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाई गई है। पुलिस ने मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आगे की जांच जारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बिहार बुजुर्ग गांव के टोला दीपराय में एक यज्ञ के आयोजन को लेकर एक मकान पर कथावाचिका का पोस्टर लगाया गया था। मंगलवार की रात कुछ युवकों ने इस पोस्टर को फाड़ दिया। पोस्टर फाड़ने को लेकर रामभजन गिरी का उन युवकों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि युवकों ने रामभजन गिरी को पीट–पीटकर मार डाला।

एम्स गोरखपुर की रिसर्च, बीड़ी पीने से खतरा 3 गुना– तंबाकू चबाने पर 4 गुना बढ़ा

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीड़ी पीना स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इसका सेवन करने वालों में कैंसर का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है। यह बात एम्स गोरखपुर के नेतृत्व में किए गए एक बड़े शोध अध्ययन में सामने आई है। इस अध्ययन के निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा शोध पत्रिका द लैंसेट रीजनल हेल्थ दक्षिण–पूर्व एशिया में प्रकाशित हुए हैं। सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग के डॉ. यू वेंकटेश के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में देश के सात राज्यों के आठ प्रमुख चिकित्सा संस्थानों ने हिस्सा लिया। शोध में 2037 कैंसर मरीजों और 2066 स्वस्थ व्यक्तियों से जानकारी जुटाकर तुलना की गई। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों से उनकी सामाजिक स्थिति, जीवनशैली, तंबाकू सेवन की आदतों, बीड़ी पीने की अवधि और प्रतिदिन पी जाने वाली बीड़ियों की संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद अस्पताल अभिलेखों के आधार पर कैंसर से संबंधित जानकारियों का सत्यापन किया गया। सभी आंकड़ों का संकलन और विश्लेषण एम्स गोरखपुर में किया गया। अध्ययन में पाया गया कि केवल बीड़ी पीने वाले लोगों में कैंसर होने की आशंका सामान्य लोगों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक थी। वहीं, बीड़ी के साथ चबाने वाले तंबाकू का भी सेवन करने वालों में यह खतरा करीब चार गुना बढ़ा मिला। एक से अधिक प्रकार के तंबाकू उत्पादों का उपयोग करने वालों में कैंसर का जोखिम चार गुना से भी अधिक पाया गया। शोध में यह भी सामने आया कि जितने अधिक वर्षों तक बीड़ी पी गई और जितनी अधिक संख्या में प्रतिदिन बीड़ी का सेवन किया गया, कैंसर का खतरा उतना ही बढ़ता गया। एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने कहा कि यह शोध संस्थान की बढ़ती अनुसंधान क्षमता का प्रमाण है। यह अध्ययन कैंसर की रोकथाम और तंबाकू नियंत्रण संबंधी नीतियों को मजबूत करने में मददगार साबित होगा। अध्ययन में रेडियोथेरेपी विभाग के डॉ. शशांक शेखर, आईसीएमआर के डॉ. हरिशंकर जोशी का भी योगदान रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे हुई मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था की बैठक

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानंद सभागार में आगामी मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मोहर्रम के अवसर पर सभी आयोजन परंपरागत एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को जुलूस मार्गों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही विद्युत विभाग को ढीले तारों एवं अन्य संभावित खतरों को समय से दूर करने के लिए कहा गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि मोहर्रम के दौरान संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने सभी नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की। बैठक में उपस्थित ताजियादारों एवं धर्मगुरुओं ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा पर्व को आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मोहर्रम केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता एवं आपसी सद्भाव का भी संदेश देता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करें ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उपजिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रीडगंज चौराहे पर सफाई के लिए बनेगा चौंबर, होगी नाला की मरम्मत - महापौर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रीडगंज चौराहे पर सफाई के लिए चेंबर का निर्माण होगा और नाला की सफाई कराकर मरम्मत कराई जाएगी। यह निर्देश महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर निगम की अधिकारियों को दी। वह नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार एवं अन्य अधिकारियों के साथ नाला सफाई कार्य का निरीक्षण कर रहे थे।चौक लाइट गेट से सुबह सवा सात बजे निरीक्षण अभियान की शुरुआत हुई। विकास प्राधिकरण के पुराने कार्यालय के सामने नाला की सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई। महापौर के साथ चल रहे पूर्व उपसभापति राजेश गौड़ ने मंगल पांडे वार्ड के इस नाले को सफाई अभियान में न शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई। महापौर रीडगंज चौराहे पर पहुंचे तो वहां नाला में पानी का बहाव बंद था। नाला भी क्षतिग्रस्त नजर आया। महापौर ने नाला की मरम्मत कराने और उस पर पत्थर रखवाने तथा चौराहे पर सफाई के लिए चौंबर बनाने का निर्देश दिया। यहां भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने अशोक वृक्ष के पास चबूतरा बनाने का सुझाव रखा, जिस पर महापौर ने चबूतरा बनाने का भरोसा दिया।यहां से साकेत प्रिंटिंग प्रेस होते हुए महापौर राठहवेली की ओर बढ़े तो नगर आयुक्त ने रामपथ पर वाटर कियाक्स की जांच की। सही पाए जाने पर उन्होंने संतोष जताया। राठहवेली की गली में लोगों की मांग पर नीम के पेड़ की छंटाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने वीर अब्दुल हमीद वार्ड के नाले का निरीक्षण किया। कई जगह नाले पर अतिक्रमण पाए जाने पर उन्होंने मलवा हटाने, टूटी पटिया बदलने और नगर निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से नोटिस जारी कर जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए।यहां चल रही गली का निर्माण कार्य अतिक्रमण के चलते बाधित मिला, जिस पर नगर आयुक्त ने भवन स्वामी को बुलाकर एक सप्ताह में अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी।उन्होंने एक जगह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर ठीक कराने का निर्देश दिया।यहां से नगर निगम का दल इमामबाड़ा गेट पहुंचा और निरीक्षण के बाद सामने की गली की ओर मुड़ गया। दुर्गा मंदिर से नदीम रजा के घर तक गली में नाली निर्माण का कार्य खराब पाए जाने पर नगर आयुक्त ने ठेकेदार को नोटिस देकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान पार्षद सलमान हैदर ने डोर–टू–डोर कूड़ा उठाने की एजेंसी की शिकायत दर्ज कराई।यहां लोगों ने बताया कि कूड़ा लगातार जमा होने से दुर्गंध उठती है, जिससे आसपास के घरों में रहना मुश्किल हो गया है।पार्षद ने ठेका होने के बावजूद नाला निर्माण न होने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर नगर आयुक्त ने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई और एक सप्ताह के भीतर काम शुरू करने का निर्देश दिया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि मोहल्ला अलीगढ़ में नाला पर पटिया नदारद होने पर महापौर ने पटिया रखवाने का निर्देश दिया। निरीक्षण कार्य परिक्रमा मार्ग तक चला।यहां मंदिर के पास सोलर लाइट का फूल टूटा पाया गया,जिसे बदलवाने का निर्देश महापौर ने दिया।इस दौरान उनके साथ पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र मिश्र, अपर नगर डॉ. नागेंद्र नाथ, निर्माण खंड के सहायक अभियंता राजपति यादव व भरत सिंह वर्मा, भाजपा नेता सुबोध चतुर्वेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र मिश्र ने महापौर का ध्यानाकर्षण नेहरू पार्क की ओर दिलाया और उसकी बदहाली पर चिंता जताई। महापौर ने विभागीय अधिकारियों को नेहरू पार्क की सफाई कराकर उसे साफ–सुथरा बनाने का निर्देश दिया। इस पार्क की गंदगी का मसला पूर्व में सांसद प्रतिनिधि हामिद जाफर मीशम भी उठा चुके हैं।जबकि राठहवेली में भाजपा नेत्री ज्योति कालरा ने गरीब परिवार की महिलाओं को आवास उपलब्ध कराने को लेकर महापौर का ध्यानाकर्षण कराया, जिस पर उन्होंने अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ को नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से आवास उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया।

एसएसपी डा गौरव ग्रोवर ने बीकापुर कोतवाल को लाइन हाजिर कर आधा दर्जन निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र मे किया फेरबदल

अयोध्या।जिले मे कानून–व्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाये रखने के आधा दर्जन से अधिक निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल किया है।फेरबदल की कड़ी में उन्होंने लगातार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बीकापुर अमरेंद्र बहादुर सिंह की मिल रही शिकायतों के चलते लाइन हाजिर कर दिया जबकि उनकी जगह थाना तारुन प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडे को कोतवाली बीकापुर का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया है।जबकि कोतवाली नगर क्षेत्र मे पिछले दिनों मद्रास हैंडलूम के समीप एक महिला से हुई चेन स्नैचिंग मे उन्होंने कोतवाली नगर मे तैनात प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार पाण्डेय को हटाकर उन्हें थाना पूराकलन्दर का प्रभारी निरीक्षक बनाया है।जबकि थाना पूरा कलंदर में प्रभारी निरीक्षक रहे मनोज कुमार शर्मा को प्रभारी निरीक्षक का दायित्व सौपा है।उन्होंने महाराजगंज थाना पर तैनात निरीक्षक राजेश सिंह को थाना इनायतनगर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है।जबकि कोतवाली रौनाही में तैनात निरीक्षक लालचन्द्र सरोज को थाना तारून का प्रभारी नियुक्त किया गया है।रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक देवेन्द्र सिंह को थाना महाराजगंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके अलावा थाना इनायतनगर के थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा का तबादला कर उन्हें कोतवाली रौनाही की कमान सौपी है।पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल का मुख्य कारण जिले के कई थाना क्षेत्रों में लगातार आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी के साथ–साथ कई थाना क्षेत्रों मे तैनात प्रभारी निरीक्षकों के खिलाफ लगातार मिलने शिकायतें मिल रही थी।जिसके चलते आधा दर्जन से अधिक स्थानांतरण एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने किया।

मंहगू पुरवा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का एडीएम ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रूदौली तहसील क्षेत्र के ग्राम मंहगू पुरवा में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है।बृहस्पतिवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित भट्ट ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने बाढ़ चौकी, राहत शिविर तथा संबंधित विभागों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान राजस्व, स्वास्थ्य, पशुपालन एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा आयोजित आपदा बचाव एवं राहत शिविर में ग्रामीणों को बाढ़ के समय बरती जाने वाली सावधानियों तथा उपलब्ध कराई जाने वाली राहत सुविधाओं की जानकारी दी गई। एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें तथा राहत एवं बचाव सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की।इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बीज शोधन भूमि शोधन करके ही खरीफ फसलों की करे बुवाई

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिला कृषि रक्षा अधिकारी डॉ0 सौरभ वर्मा ने बताया कि जो किसान भाई खरीफ में अपने घर का बीज बुआई के लिए प्रयोग कर रहे है उसको बीज शोधन करके ही बोये। बीज शोधन करने से बीज जनित बीमारियों का नियंत्रण आसानी से हो जाता है।बीज शोधन करने से बीज के ऊपर चिपका हुआ रसायन बीज पर आक्रमण करने वाले फफूंदियों को नष्ट कर देता है। धान में बीज शोधन के लिए 2.5 ग्राम थीरम 75 प्रतिशत अथवा 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत अथवा 2 ग्राम थीरम 75 प्रतिशत . एक ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत प्रति किग्रा० बीज में बुवाई से पूर्व मिलाना चाहिए।भूमि शोधन के लिए 2.5 किग्रा० ट्राइकोडरमा को 50 किग्रा० सड़ी गोबर की खाद में मिलाकर एक सप्ताह छायें में रखकर आखिरी जुताई के समय मिलाना चाहिए। भूमि शोधन करने से भूमि जनित बीमारियों का नियन्त्रण हो जाता है। दीमक वाले क्षेत्रों में 2.5 किग्रा० ब्यूवैरिया वैसियाना 1 प्रतिशत ॅच् 50 किग्रा० गोबर की खाद में मिलाकर रखने के बाद खेत में प्रयोग करें जिससे दीमक नियंत्रण हो जायेगा। बीज शोधक रसायनों पर 75 प्रतिशत अनुदान जनपद के प्रत्येक विकासखण्डों में स्थित कृषि रक्षा इकाईयों पर उपलब्ध है। इससे संबंधित और अधिक जानकारी संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सीएमओ ने किया नगरीय क्षेत्र की शहरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवकाली एवं जनौरा का निरीक्षण

(राजन तिवारी जिला रिपोर्टर)

अयोध्या।गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार ने नगरीय क्षेत्र की शहरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवकाली एवं जनौरा का औचक निरीक्षण किया।वहां पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दोनों प्राथमिक चिकित्सालय परिसर, ओपीडी संचालन, जनरल वार्ड,औषधीय स्टोर रूम को

गहनता से देखा।साथ ही सभी उपस्थित मेडिकल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को बेहतर इलाज, दवाओं और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जनता को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाय एवं पैरामेडिकल स्टाफ कि समय से उपस्थिति,दवाओं की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता,परामर्श सेवाएं एवं इमरजेंसी सेवाएं दुरुस्त रखने एवं इलाज के लिए आने वाले सभी मरीजों को एक समान रूप से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अस्पताल से जोड़ा गया दो महीने से लगे ट्रांसफॉर्मर का कनेक्शन

भदोही, (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में दो माह से स्थापित नए विद्युत ट्रांसफॉर्मर में मंगलवार को कनेक्शन कर चालू जोड़ दिया गया। तीन दिन पहले अमर उजाला ने इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद बिजली निगम के कर्मचारियों ने ट्रांसफॉर्मर का कनेक्शन अस्पताल से जोड़ दिया। जिससे अस्पताल की बिजली व्यवस्था अब सुचारु हो गई है। गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दो महीना पहले 25 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया था, लेकिन उसका कनेक्शन नहीं होने से अस्पताल प्रशासन को उसका लाभ नहीं मिल रहा था। जिससे अस्पताल में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी। अस्पताल में सीधे विद्युत खंभे से कनेक्शन दिया गया था। इसकी वजह से मरीजों के उपचार, टीकाकरण, प्रसव सेवाओं सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन में दिक्कतें आ रही थीं। समस्या को लेकर सीएचसी अधीक्षक डॉ. आशुतोष पांडेय ने विद्युत वितरण उपखंड गोपीगंज के उपखंड अधिकारी को पत्र भेजकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की थी। साथ ही पत्र की प्रति मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) भदोही को भी प्रेषित की गई थी। बीते छह जून के अंक में अमर उजाला ने इसका समस्या को श्श्सीएचसी का ट्रांसफॉर्मर शोपीस, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावितश्श शीर्षक के साथ प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।